भारत के FPO का वैश्वीकरण

प्रलिम्सि के लयि:

कसिान उत्पादक संगठन, भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थकि संबंध अनुसंधान परषिद, लघु कृषक कृषिव्यापार संघ, सहकारी समति, लघु और सीमांत कसिान, FSSAI, BIS, APEDA, मसाला बोर्ड, ONDC, eNAM, कंधमाल हल्दी, स्वच्छता और फाइटोसैनटिरी उपाय

मेन्स के लयि:

कसिान उत्पादक संगठनों (FPO) संबंधी चुनौतयाँ और अवसर

स्रोत: फाइनेंशयिल एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थकि संबंध अनुसंधान परषिद (ICRIER) ने भारत के कसिान उत्पादक संगठनों (FPO) की **समस्याओं** का वश्लिेषण कयिा और **सुधार के सुझाव** दयिे।

- ICRIER (1981) एक प्रमुख भारतीय नीतअिनुसंधान **प्रबुद्ध मंडल है जो कृष**ि, **जलवायु परविर्तन**, डजिटिल अर्थव्यवस्था, आर्थकि वकिास आदक्षित्रों में वशिेषज्ञता रखता है।

एक कृषक उत्पादक संगठन क्या होता है?

- **परचिय:** FPO एक प्रकार का **उत्पादक संगठन (PO)** है, जसिके सदस्य **कसिान** होते हैं।
  - लघु कृषक कृषवि्यापार संघ (SFAC) FPO के संवर्द्धन में सहायता प्रदान करता है।
  - PO कसिी भी उत्पाद के उत्पादकों के संगठन के लयि एक **सामान्य नाम है, जैसे- कृष**ि, **गैर-कृषउित्पाद, शलि्पकारी उत्पाद**, इत्यादि।
    - PO एक **उत्पादक कंपनी, एक सहकारी समत**ि या कोई अन्य वधिकि रूप हो सकता है जो सदस्यों के बीच लाभ/हतिलाभ को साझा करने का प्रावधान करता है।
- **FPO की आवश्यकता:** लघु और सीमांत कसिानों को व्यापक स्तर के लाभ प्राप्त करने में मदद करना, सामूहकि रूप से संवाद करके उनकी सौदेबाजी की शक्तकिो बढ़ाना, उनकी आय को दोगुना करना एवं वैश्वकि बाज़ारों में उनकी पहुँच बढ़ाना।
  - भारत में **86% कसिान लघु और सीमांत कसिान हैं।**
- **स्वामति्व:** FPO का स्वामति्व उसके सदस्यों के पास होता है। यह **उत्पादकों का, उत्पादकों द्वारा तथा उत्पादकों के लयि एक संगठन है।**
- **FPO के वधिकि स्वरूप:** FPO को नमि्नलखिति के तहत पंजीकृत कयिा जा सकता है:
  - कंपनी अधनियिम, 1956 और कंपनी अधनियिम, 2013।
  - **सोसायटी रजसि्ट्रीकरण अधनियिम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत सोसायटी**
  - भारतीय न्यास अधनियिम, 1882 के तहत पंजीकृत लोक न्यास

PO और सहकारी समतियिों में अंतर:

मापदंड	सहकारी समति	उत्पादक संगठन
उद्देश्य	एकल उद्देश्य	मल्टी ऑब्जेक्ट
सदस्यता	व्यक्तएिवं सहकारी समतयिाँ	कोई भी व्यक्त,ि समूह, संघ, वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादक
सरकारी नयिंत्रण	हस्तक्षेप के वषिय में अत्यधकि संरक्षति	न्यूनतम, वैधानकि आवश्यकताओं तक सीमति
प्रारक्षति नधि	लाभ होने पर नरि्मति कयिा जाता है	प्रत्येक वर्ष नरि्मति कयिा जाना अनवािर्य

भारत के FPO को कौन-सी समस्याएँ परेशान कर रही हैं?

- **सीमित बाज़ार संपर्क:** लगभग **80% FPO खरीदारों**, विनिर्माताओं, प्रसंस्करणकर्त्ताओं और निर्यातकों की **पहचान करने तथा उन तक पहुँचने** में असमर्थ हैं।
- **उत्पाद संबंधी जानकारी का अभाव:** यद्यपि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट पर **8,000 से अधिक FPO पंजीकृत हैं, लेकिन इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि वे किन उत्पादों की आपूर्ति करते हैं।**
  - जानकारी के अभाव के कारण **कंपनियाँ और विदेशी अभिकर्त्ता व्यापारियों तथा पारंपरिक मंडियों के** माध्यम से सामान खरीदने में रुचि रखते हैं।
- **जटिल विनियमन:**
  - **मानकों की बहुलता:** **FSSAI**, **BIS**, **APEDA और मसाला बोर्ड** जैसी विभिन्न एजेंसियाँ अलग-अलग मानक प्रदान करती हैं, जिससे **FPO** अनुपालन तथा **बाज़ार पहुँच के बारे में भ्रमित हो जाते हैं**।
  - **सूचना का अभाव:** लगभग **72% FPO को** घरेलू मानक-निर्धारण प्रक्रिया बहुत **जटिल लगती है, उन्हें** निर्यात मानकों और आवश्यकताओं के बारे में पर्याप्त जानकारी का अभाव रहता है।
- **आयातक देशों द्वारा अस्वीकृति:** बहुत कम देशों ने भारत के साथ **मानकों के लिये पारस्परिक मान्यता समझौते किये हैं।**
  - यद्यपि हमारे **मानक अच्छे हैं, फिर भी** आयातक देशों द्वारा उन्हें **शायद ही कभी स्वीकार किया जाता है।**
- **ट्रेसेबलिटी संबंधी मुद्दे:** वैश्विक खरीदार **उत्पाद संबंधी ट्रेसेबलिटी चाहते हैं**, कई FPO को यह नहीं पता कि इसे कैसे लागू किया जाए।
  - उत्पाद संबंधी ट्रेसबिलिटी **प्रत्येक चरण पर विनिर्माण डेटा को** लॉग करती है साथ ही मॉनिटर करके **आपूर्ति शृंखला के माध्यम से उत्पादों को ट्रैक करती है।**
- **ई-कॉमर्स को सीमित रूप से अपनाना:** **ONDC** और **E-नाम** जैसी सरकारी पहलों के बावजूद, FPO के पास ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने के लिये जागरूकता तथा क्षमता सीमित है।
  - उदाहरण के लिये नवंबर 2024 तक **कोई भी टर्मरिक FPO ONDC पर सूचीबद्ध नहीं है।**

भारत में FPO की सफलता की कहानी

- ओडिशा में कंधमाल हल्दी को **बढ़ावा देने के लिये कंधमाल एपेक्स स्पाइसेस एसोसिएशन फॉर मार्केटिंग (KASAM) की** स्थापना की गई है। यह ओडिशा सरकार के तहत **61 मसाला विकास समितियों** का सहयोग है।
  - **इसने किसान साथी** के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये, जिसके तहत किसान साथी **दो KASAM FPO - गुमापदार FPC लिमिटेड और शास्त्री FPC लिमिटेड के साथ कार्य कर रहा है** - ताकि उन्हें वैश्विक बाज़ारों तक पहुँचने में मदद मिल सके।
    - **गुमापदर FPC लिमिटेड नीदरलैंड से नेडस्पाइस ग्रुप** को कंधमाल हल्दी का निर्यात कर रहा है।
- यह दर्शाता है कि **रणनीतिक साझेदारी** और समन्वित प्रयासों से FPO बाज़ार की बाधाओं को पार कर सकते हैं, जो वैश्विक भी हो सकते हैं।

वैश्विक सफलता की कहानियाँ

- **मेक्सिको (एजिडो प्रणाली):** एजिडो **सामुदायिक कृषि प्रणाली है**, जहाँ भूमि का स्वामित्व और प्रबंधन सामूहिक रूप से समुदायों द्वारा किया जाता है।
  - **इससे किसानों को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों तक पहुँचने में मदद मिली, विशेष रूप से एवोकाडो और बेरी** जैसी फसलों में।
- **थाईलैंड: थाईलैंड में कृषि सहकारी समितियों** का एक मज़बूत नेटवर्क है, विशेष रूप से चावल उत्पादन में।
  - **"एक तांबून (गाँव) एक उत्पाद"** जैसे कार्यक्रम अद्वितीय **स्थानीय कृषि उत्पादों को बढ़ावा देते हैं।**
- **चीन: चाय, फल और जलीय कृषि** जैसे क्षेत्रों में कृषक व्यावसायिक सहकारी समितियों (FPC) ने सफलतापूर्वक वैश्विक बाज़ारों में प्रवेश किया है।
  - **अलीबाबा** जैसे प्लेटफॉर्म ने सहकारी समितियों को **सीधे उपभोक्ताओं को विक्रय करने** में सक्षम बनाया है ।

आगे की राह

- **FPO का डेटाबेस: FPO का विस्तृत, उत्पाद-विशिष्ट डेटाबेस** विकसित करना, ताकि वैश्विक कंपनियाँ प्रासंगिक FPO का पता लगा सकें और उनके साथ जुड़ सकें।
  - बेहतर मूल्य प्राप्ति के लिये **दृश्यता (Visibility) और साझेदारी को बढ़ावा देना** तथा उत्पाद का पता लगाने की कमी जैसी बाधाओं को दूर करना।
- **ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म: FPO को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म** पर लाने के लिये अधिक समर्थन की आवश्यकता है, साथ ही **किसानों को** ई-नाम जैसे सरकारी प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के बारे में **शिक्षित करने की भी आवश्यकता** है ताकि उन्हें बाज़ार तक पहुँच बढ़ाने में मदद मिल सके।
- **वैश्विक अनुपालन मानक:** भारत के कृषि उत्पादों को अस्वीकार किये जाने से बचाने के लिये स्वच्छता और पादप स्वच्छता उपायों, **अधिकतम**

अवशेष स्तरों तथा व्यापार में तकनीकी बाधाओं जैसे **वैश्विक अनुपालन मानकों** पर ज्ञान का हस्तांतरण महत्त्वपूर्ण है।

- **उत्पाद-वशिष्टि प्रशिक्षण:** प्रमुख बाज़ारों के लिये अनुपालन मानकों और विनियमों से संबंधित **उत्पाद-वशिष्टि प्रशिक्षण तथा दिशा-निर्देशों** की आवश्यकता है ।
- **सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देना: कंधमाल हल्दी FPO** जैसे सफल केस स्टडीज़ की पहचान करना और संरचित ज्ञान-साझाकरण तंत्र के माध्यम से इन मॉडलों को दोहराना।

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न: भारत में FPO के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों की जाँच कीजिये और किसानों की बाज़ार पहुँच बढ़ाने में उन्हें अधिक प्रभावी बनाने के लिये सुधार सुझाइये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्षों के प्रश्न

??????????

प्रश्न. भारत में 'शहरी सहकारी बैंकों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2021)

1. राज्य सरकारों द्वारा स्थापित स्थानीय मंडलों द्वारा उनका पर्यवेक्षण एवं विनियमन किया जाता है।
2. वे इक्विटी शेयर और अधिमान शेयर जारी कर सकते हैं।
3. उन्हें वर्ष 1966 में एक संशोधन द्वारा बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के कार्य-क्षेत्र में लाया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर:(b)

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2020)

1. कृषि क्षेत्र को अल्पकालिक ऋण प्रदान करने के संदर्भ में ज़िला केंद्रीय सहकारी बैंक (DCCBs) अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की तुलना में अधिक ऋण प्रदान करते हैं।
2. DCCB का एक सबसे प्रमुख कार्य प्राथमिक कृषि साख समितियों को निधि उपलब्ध कराना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 व 2 दोनों
(d) न तो 1 न ही 2

उत्तर: (b)

??????

प्रश्न: "गाँवों में सहकारी समिति को छोड़कर ऋण संगठन का कोई भी ढाँचा उपयुक्त नहीं होगा।" - अखिल भारतीय ग्रामीण ऋण सर्वेक्षण। भारत में कृषि वित्त की पृष्ठभूमि में इस कथन पर चर्चा कीजिये। कृषि वित्त प्रदान करने वाली वित्त संस्थाओं को किन बाधाओं और कसौटियों का सामना करना पड़ता है? ग्रामीण सेवार्थियों तक बेहतर पहुँच और सेवा के लिये प्रौद्योगिकी का किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है?" (2014)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/making-india-s-fpos-global